www.sarkaridoctor.com
www.fb.com/sarkaridoctor
sarkaridoctor@gmail.com

CONNECTING DOCTORS

बूस्टर डोज़

Sarkari Doctor Booster Dose

January 2019 Edition
Rajasthan Module
Volume T4

Inside this issue

1 - जयपुर में जीका का आतंक
2 - New IAS
3 - New Ministers
4 - संपादकीय
5 - MOHFW
6 - Hospital of the Month
7 - राजस्थान
8 - मेडिकल कॉलेज
9 - Poster Series
10 - Doctor Wise
11 - Various

Catchy
ZIKA Poster Series

Important task to do

Submit IPR Online
Immovable Property Report
(Within January Month)

जयपुर में जीका का आतंक

जयपुर में अक्टूबर में 159 जीका वायरस के केस मिले, यह राजस्थान का पहला जीका आउटब्रेक* है जो कि ICMR Surveillance system से डिटेक्ट हुआ और National Centre for Disease Control (NCDC) द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया और नवम्बर के पहले सप्ताह तक स्थिति लगभग काबू में कर ली गयी । जुलाई में मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड फेमिली वेलफेयर ने संसद को बताया था की तीन केस अहमदाबाद में डिटेक्ट हुए थे और एक केस तमिलनाडु में मिला था ।

जीका वायरस 'एडीज' मच्छर से फैलता है और उसी मच्छर से फैलता है जिससे डेंगू तथा चिकनगुनिया फैलता है, इसलिए इस मच्छर को पनपने से रोक कर इन तीनों बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। शारीरिक संबंध बनाने और खून चढ़ाने से भी इसके फैलने की संभावना रहती है। बीमारी के लक्षण - हल्का बुखार, लाल दाने, आँखों का आना, जॉइंट पेन, थकान, सरदर्द आदि । ये लक्षण दो से सात दिन रहते हैं । इस रोग की पहचान के लिए होने वाली जाँचों में रक्त, मूत्र या लार संबंधी परीक्षण शामिल हैं, जो बीमार व्यक्ति में इस वायरस के आरएनए के होने का पता लगाने के लिए की जाती हैं। कोई वैक्सीन और ख़ास उपचार नहीं है, बुखार की दवा लेनी है ।

जीका का वायरस जानलेवा नहीं है, इसलिए इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है, हालांकि गर्भवती महिलाओं में पहली तिमाही में बच्चे के लिए यह वायरस खतरनाक साबित हो सकता है क्यूंकि यह रोग गर्भवती माँ से गर्भस्थ शिशु में जा सकता है (वर्टिकली ट्रांसमिटेड इंफेक्शन) और शिशु के सिर के अपूर्ण विकास (माइक्रोसिफेली) की वजह बन सकता है, लेकिन Indian Council of Medical Research (ICMR) & National Institute of Virology (NIV) ने बताया कि जयपुर में मिले जीका का स्ट्रेन माइक्रोसिफेली नहीं करता है जीका वायरस के लिए टेस्ट की सुविधा जयपुर के एसएमएस के अलावा झालावाड़, बीकानेर, जोधपुर तथा कोटा में भी उपलब्ध है। जिस इलाके में जीका आउटब्रेक हुआ है, वहां के आसपास के प्राइवेट अस्पतालों को भी बुखार के मरीजों और गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच करते हुए समयबद्ध सुचना विभाग को देने के निर्देश दिए गए ।

महत्वपूर्ण है की मच्छरों से बचा जाए, इनमें मच्छर भगाने वाले उपाय अमल में लाना, कपड़ों से शरीर का अधिकतम भाग ढँककर रखना, मच्छरदानी का प्रयोग, मच्छर पुनर्जनन रोकने हेतु ठहरे पानी को हटाना जैसी बातें शामिल होती हैं, सभी घरों में कूलर अथवा टंकियों में पानी भरने के कारण मच्छरों के लार्वा पनप सकते हैं अतः अपने अपने घरों की सफाई जिम्मेदारीपूर्वक करते हुए जीका की रोकथाम में आप मदद कर सकते हैं ।

Photo, Name, DOB and Cadre	Education	Post
SHRI ROHIT KUMAR SINGH **UTTAR PRADESH** 16/03/1964 RR: 89	M.P.A. (MANAGEMENT & PUBLIC POLICY, USA), M.S. (C.E., USA), B.TECH. (E.E.)	ADDITIONAL CHIEF SECRETARY, MEDICAL & HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT, RAJASTHAN
SHRI ASHWINI BHAGAT **KOLKATA** 02/02/1968 RR: 95	A.I.C.W.A. , B.COM.	PRINCIPAL SECRETARY TO GOVERNMENT, AYURVED & INDIAN MEDICINE DEPARTMENT, RAJASTHAN
SHRI HEMANT KUMAR GERA **KARNAL** 29/08/1970 RR: 97	B.TECH.(ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION)	SECRETARY TO GOVERNMENT, MEDICAL EDUCATION DEPARTMENT, RAJASTHAN
DR. SAMIT SHARMA **AJMER** 21/02/1972 RR: 04	M.B.B.S. , M.D. (PEDIATRICS)	MISSION DIRECTOR, NATIONAL HEALTH MISSION & SPECIAL SECRETARY TO GOVERNMENT, MEDICAL, HEALTH & FAMILY WELFARE DEPARTMENT & EX-OFFICIO CHIEF EXECUTIVE OFFICER, STATE HEALTH ASSURANCE AGENCY
SHRI SURESH CHAND GUPTA **JAIPUR** 05/07/1962 SC: 05	B.COM. (HONS.) (ACCOUNTANCY)	MANAGING DIRECTOR, RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION LIMITED, JAIPUR
SHRI PEEYUSH SAMARIYA **RAJASTHAN** 23/07/1985 RR:14	B.E.(Mech. Engg.)	JOINT CHIEF EXECUTIVE OFFICER, STATE HEALTH ASSURANCE AGENCY, JAIPUR

Hon'ble Health Minister, Rajasthan

Dr. Raghu Sharma

Constituency: Kekri, Ajmer
Party: Indian National Congress
Father's Name: Shri Shivswaroop Sharma
Mother's Name: Smt. Kanta Devi
Date of Birth: Saturday, July 26, 1958
Birth Place: Sawar, Ajmer, Rajasthan
Spouse Name: Smt. Veera Sharma
SONS: 1, **DAUGHTERS:**1
Permanent Address:31A-1, Geej Garh Vihar, Hawasadak,Civil Lines, Jaipur-302019, Rajasthan Tel : (0141) 2211922, 09829054019 (M)
Email Id: raghusharma_2525[at]yahoo[dot]in
Education Qualifications: B.Sc., LL.B., M.B.A., Ph.D. in Management Educated at University of Rajasthan, Jaipur and R.A. Poddar Institute of Management
Countries Visited: Austria, Egypt, France, Germany, Hong-Kong & Macau (S.A.R. of China), Italy, Malaysia, Mauritius, Nepal, New Zealand, North Korea, Samoa, Singapore, Switzerland, Thailand, U.K., U.S.A., U.S.S.R. (now Russian Federation) and Vatican City
Positions Held: 2008 - 2013 Member, Rajasthan Legislative Assembly, Kekri, Ajmer. Govt. Chief Whip, Rajasthan Vidhan Sabha (with Cabinet Minister Status). Member, Public Account Committee. 1 Feb. 2018 Elected to 16th Lok Sabha in a bye-election. 2019 Member, Rajasthan Legislative Assembly, Kekri, Ajmer
OTHER INFO: President, Maharaja`s College Students Union; Rajasthan University Students Union; Pradesh Youth Congress, Rajasthan; Vice-President, Pradesh Congress Committee, Rajasthan; General Secretary, Secretary, Spokesperson - Pradesh Congress Committee, Rajasthan; Member, National Textiles Corporation (N.T.C.); Senate and Syndicate, Rajasthan University; BOM, MDS University, Ajmer

Hon'ble State Health Minister, Rajasthan

Dr. Subhash Garg

Constituency: Bharatpur
Party: RLD
Father's Name: Shri Prabhudayal
Mother's Name: Smt. Kanta Devi
Age: 59
Permanent Address: R/o B-84, Ranjeet Nagar, Bharatpur Raj 321001
Email Id: gargsubhash51@gmail.com
Contact Number: 9828157171, 9166611999
Self-Profession: Teaching
Education Qualifications: MCom, MPhil, PhD University of Rajasthan
Key posts held: RBSE chairman, member of RU syndicate and general secretary of RU teachers' body

क्यों पिटते हैं रेजिडेंट डॉक्टर?

सबसे ज्यादा पढ़ा लिखा अगर कोई है तो वो चिकित्सक है, जो की मरीज देखना शुरू करने तक की अपनी पूरी जिन्दगी पढाई में लगा चुका होता है और आशा रखता है की अपनी इस मेहनत से अर्जित ज्ञान से वो पूरी उम्र जनसेवा करेगा, वो हर हालात में प्रयास करेगा की कैसे भी उसका मरीज ठीक हो।

खासकर रेजीडेंसी ऐसा वक़्त है जब चिकित्सक (रेजिडेंट) चौबीसों घंटे मरीजों से घिरा रहकर उनकी परेशानीयों को दूर करने और अपने स्किल डेवेलपमेंट के लिए रात दिन एक कर देता है, निश्चित रूप से उसको भी थकान, नींद, गुस्सा एवं डिप्रेशन आता होगा, लेकिन वो सभी इमोशन को पार करता हुआ मरीज सेवा में तल्लीन रहता है।

रेजीडेंसी अनेक विषयों में होती है लेकिन गंभीर मरीजों और आपातकाल वाले मरीजों से सामना कुछ विषय के रेजिडेंटस से ही होता है जैसे की मेडिसिन, ओर्थोपेडिक, सर्जरी, गायनिक आदि एवं इन्हीं डिपार्टमेंट में ही लड़ाई फसाद की घटनाएँ सामने आती हैं।

तो क्या ये रेजिडेंट डॉक्टर जान बूझकर भिड़ते हैं ?
ऐसा कदापि नहीं है, लेकिन सत्य है की आपातकाल वाले विभागों में मरीजों की संख्या भी ज्यादा होती है एवं काम का भार भी ज्यादा रहता है, साथ ही आपातकाल में वे मरीज आते हैं जो थोड़ी देर पहले ठीक ठाक होते हैं और अचानक किसी हादसे (अटैक/एक्सीडेंट) से मरीज बन जाते हैं और अस्पताल पहुँचते हैं, ये मरीज तुरंत पैनिक में आते हैं और इनके साथ आने वाले अटेंडेंट की हालत भी लगभग वैसी ही होती है, इनके साथ लोग भी काफी आते हैं और हर आदमी इनके साथ ही रहना चाहता है और वे अस्पताल के हर स्थान ओपीडी/इमरजेंसी/ओटी में साथ साथ जाना चाहते हैं जो की अस्पताल की व्यवस्था, सुरक्षा एवं सफाई के लिए दिक्कत खड़ी करते हैं और इसीलिए इन्हें बाहर रोका जाता है और प्रयास किया जाता है की मरीज के साथ एक या दो आदमी ही रहें।

लम्बी बीमारीयों से ग्रसित मरीज तो अस्पतालों के सिस्टम में ढल चुके होते हैं और वो सहजता से पेश आते हैं, उन्हें चिकित्सकों की मेहनत, पीड़ा और बोझ का अंदाजा भी हो चुका होता है साथ ही अस्पताल में कौनसी जांच होगी, कौनसी दवा मिलेगी, कितना वक़्त कहाँ लगता है, क्या कुछ बाहर से खरीदना है इन सबके लिए वे तैयार रहते हैं और इसीलिए ऐसे मरीज ज्यादा उलझते नहीं हैं।

लेकिन जो अभी अभी मरीज बनके आया है और उसके साथ घरवालों/मिलने वालों/सलाहकारों/छुटभैयों की जो फ़ौज आई है होती है उसे सब कुछ फटाफट और विश्वस्तरीय चाहिए होता है, उनकी चाहत होती है की सभी छोटे बड़े डॉक्टर बाकि अन्य काम व मरीजों को छोड़कर उन्हीं के मरीज पर फोकस करें और मरीज को बस ठीक कर दें।

मरीज का परिजन भी पर्ची कटवाने से लेकर, दवा लेने, जांच करवाने, अन्य रजिस्ट्रेशन करवाने, भीड़ में घिरने, पूरा सामान नहीं मिलने, इधर से उधर शिफ्ट करवाने, बेड ना मिलने, सफाई-दुर्गन्ध जैसे मामलों में खूब पीड़ित हो जाता है फिर वो सीधा ड्यूटी डॉक्टर से आमने सामने होता है और अगर उसे वहां भी उसे लगता है की उसे ढंग से एवं समयबद्ध नहीं देखा जा रहा है तो उसका और दिमाग घूमता है, वो तुलना करता है की अगर वो फलाने हॉस्पिटल में गया होता तो पता नहीं उसकी क्या सेवा हो रही होती, कुछ छुटभैये एवं तीतर किस्म के भी होते हैं जो फालतू में माहौल बनाते हैं, उग्र होते हैं एवं धौंस भी जमाते हैं, जब से फ्री मेडिसिन/जांच हुई हैं तब से तो इनके खूब भाव बढे हैं, कोई दवा अगर ऐन वक़्त पर उपलब्ध ना हो तो ये इस तरह दोषारोपण करते हैं की जैसे डॉक्टर की जेब में पैसा डाला गया था की वो दवा लेके क्यूँ नहीं बैठा है।

बहुत सी बार, समान्यतया रात को मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट नशे में भी देखने को मिलते हैं और इनका ठरका चिकित्सा मंत्री से कम नहीं होता है, यह भी एक कारण बनता है कई बार
यानि की मरीज और उसके साथ वाले 'डॉक्टर-मरीज कार्य' के अलावा वाले बहुत से प्रशासनिक कारणों से तनाव में आते हैं और फिर यह पूरा ठीकरा उपलब्ध ड्यूटी डॉक्टर पर गिरता है और छोटी बहस एक बड़ी हिंसा का कारण भी बन सकती है, केवल डॉक्टर ने अपने कर्तव्य को ना निभाया हो और लड़ाई हुई हो ऐसा कम देखने में आता है, हालाँकि यह डॉक्टर के व्यव्हार और हेंडलिंग पर भी निर्भर करता है की कैसे विषम समय को टाला जाए, माना जाता है की इन सर्विस रेजिडेंट अनुभव के कारण फ्रेश रेजिडेंट से बेहतर हेंडलिंग करते हैं, लेकिन इस पर कोइ स्टडी नहीं हुई है।

खैर, विवादों से बचने के लिए अन्य प्रशासनिक सुधार भी आवश्यक हैं साथ ही सॉफ्ट स्किल्स का उपयोग करके भी एक हद तक बचा जा सकता है।

Scan me

5th National Summit on "Good & Replicable Practices & Innovations in Public Health Care Systems in India" at Assam

Shri J P Nadda, Union Minister of Health and Family Welfare in the presence of Shri Sarbananda Sonowal, Chief Minister of Assam, Shri Ashwini Kumar Choubey, Minister of State for Health and Family Welfare, Dr. Himanta Biswa Sarma, Health Minister, Govt. of Assam, Shri Piyush Hazarika, Minister of State (Health), Govt. of Assam, Smt. Preeti Sudan, Secretary (Health), Shri Manoj Jhalani, AS & MD (NHM), Shri Samir Kumar Sinha, Principal Secretary, Health & Family Welfare, Govt. of Assam, inaugurated the 5th National Summit on "Good & Replicable Practices & Innovations in Public Health Care Systems in India" at Kaziranga, Assam on 30th October 2018. Shri Nadda also emphasized on the need for IT initiatives in the health sector. "They can help address gaps where we have challenges of HR, or aid accurate and quick diagnosis to improve clinical decision making particular for remote locations. National Health Mission is also supporting many IT initiatives in States," He further said that the best practices that have been selected on mHealth and digitalization will provide learnings for other states to adopt the innovations. The Health Ministry also gave away awards to the states for best performances. The award for Highest Annual Decline in Neonatal Mortality Rate 2015 vs 2016 among states was given to Himachal Pradesh - 1st (- 15.8%), Tamil Nadu 2nd (-14.3%) and Delhi-3rd (-14.3%). The award for highest annual decline in Infant Mortality Rate was given to Kerala-1st (-16.7%), Mizoram-2nd (-15.6%) and Karnataka-3rd (-14.3%). The award for highest annual decline in Under 5 Mortality was given Himachal Pradesh-1st (-18.2%), Assam-2nd (-16.1%) and Jharkhand, Gujarat and Kerela (-15.4%). For best performance in Family Planning awards, were given to West Bengal, Chhattisgarh and Rajasthan. For best performance in RNTCP, awards were given to Andhra Pradesh, Gujarat and Arunachal Pradesh while in NLEP award was given to Gujarat in category of State and Dadra & Nagar Haveli in the category of Union Territory. Awards for best performance in National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS) were given to Haryana and Himachal Pradesh. The award for best performing States in the category of indoor services (based on change of IPD/1000 population from 2016-17 to 2017-18-HMIS) was given to Goa, Karnataka and Himachal Pradesh. Lakshadweep got the award among the Union Territories (UTs). For the best out-patient services, the award was given to Gujarat, Odisha and Karnataka whereas Puducherry got the award amongst the Union Territories.

Health Ministry organises orientation workshop on Health and Nutrition Initiatives under Aspirational District Programme

The Ministry of Health and Family Welfare, in collaboration with Ministry of Women and Child Development, organized a one-day National Workshop for Orientation of District Officials of Aspirational Districts on Health and Nutrition, on 22nd October 2018. The workshop was inaugurated by Shri Ashwini Kumar Choubey and Smt Anupriya Patel, Ministers of State for Health and Family Welfare. Dr. Vinod Paul, Member, NITI Ayog, Shri Rakesh Srivastava, Secretary, Ministry of Women and Child Development and Ms. Preeti Sudan, Secretary (HFW) were also present at the inaugural function.

117 districts have been identified for rapid transformation and inclusive growth. The Reproductive Maternal New-born Child and Adolescent Health (RMNCH+A) program is an important pillar which will be strengthened under Aspirational Districts Programme.

The operational guidelines on Aspirational Districts will provide a framework for implementing action to be undertaken for various health initiatives to guide the state, district, block programme officers and other stakeholders in organizing various activities expected to meet the vision for health by leveraging health and nutrition initiatives to bring transformation in the lives of people and meet their aspirations to be healthy. The e-Mitra (Mobile Integrated Toolkit RMNCH+A) app has been designed to complement the Aspirational District Programme and offers one stop solution to access RMNCH+A related statistics from different sources through a combination of approaches. The workshop is attended by the senior officers from the Ministry of Health, MoWCD and NHSRC along with the representatives from 28 States, 117 Aspirational District Official and development partners like WHO, UNICEF, USAID, BMGF, TATA Trust and UNFPA etc., and civil society organizations.

Cabinet approves increase in supervisory visit charges for ASHA Facilitators

The Cabinet Committee on Economic Affairs chaired by the Prime Minister Shri Narendra Modi has approved the increase in supervisory visit charges for ASHA Facilitators from Rs. 250/-per visit to Rs. 300/- per visit for 2018-2019 to 2019- 2020 w.e.f from October 2018 (to be paid in November, 2018). ASHA Facilitator will undertake about 20 supervisory visits per month. With the proposed increase, ASHA Facilitators would receive about Rs 6000 per month against Rs 5000 per month that is an increase of Rs 1000/- per month.

Analytical Report of the National Health Profile-2018 released

Analytical Report of the National Health Profile-2018 prepared by the Central Bureau of Health Intelligence (CBHI), under the aegis of the Directorate General of Health Services, released on 13th October 2018. The National Health Profile covers demographic, socio-economic, health status and health finance indicators, along with comprehensive information on health infrastructure and human resources in health. CBHI has been publishing National Health Profile every year since 2005. This is the 12th edition. National Health Resource Repository (NHRR) - country's first ever national healthcare facility registry of authentic, standardized and updated geo-spatial data of all public & private healthcare establishments. The vision of the NHRR project is to strengthen evidence-based decision making and develop a platform for citizen and provider-centric services by creating a robust, standardized and secured IT-enabled repository of India's healthcare resources. NHRR will be the ultimate platform for comprehensive information of both, Private and Public healthcare establishments including Railways, ESIC, Defence and Petroleum healthcare establishments.
Under the Collection of Statistics Act 2008, over 20 lakh healthcare establishments like hospitals, doctors, clinics, diagnostic labs, pharmacies and nursing homes would be enumerated under this census capturing data on over 1400 variables. Some key benefits of the NHRR project are to create a reliable, unified registry of country's healthcare resources showing the distribution pattern of health facilities and services between cities and rural areas. Additionally, it shall generate real-world intelligence to identify gaps in health and service ratios, and ensure judicious health resource allocation and management. It shall identify key areas of improvement by upgrading existing health facilities or establishing new health facilities keeping in view the population density, geographic nature, health condition, distance, etc. The result shall be enhanced center and state government coordination to ensure intelligent use of health resources to ensure superior health access, service delivery and improve transparency & accountability for effective centre-to-state funding. The project shall improve the visibility of Private providers to enable Public-Private Partnerships. It shall also provide access to information on health service providers to the citizen of India for improved health outcomes and enable mass outreach with all stakeholders such as hospitals, laboratories, private & public doctors, blood banks, pharmacies, etc.

MI + GSA

Mission Indradhanush (MI) is one of the flagship schemes of Government of India that aims at achieving full immunization coverage (FIC) of 90% by December'18 through focus on unvaccinated and partially vaccinated children and pregnant women in pockets of low immunization coverage, high-risk and hard-to-reach areas. A total of five phases of Mission Indradhanush have been completed between April 2015 and February 2018 covering 537 districts. It has also been included as one of the schemes under Gram Swaraj Abhiyan (GSA) and Extended GSA during April 2018 to September 2018 covering 16,850 and 48,929 villages (in 117 aspirational districts) respectively. Till 5th October 2018, a total of 334.48 lakh children and 86.04 lakh pregnant women have been vaccinated through these drives. A survey conducted in 190 districts/urban areas covered in Intensified Mission Indradhanush (5th phase of MI) have shown an average increase of 18.5% points in Full Immunisation Coverage as compared to NFHS-4.

Polio vaccines are safe and effective

Recently there are rumours being spread stating not to give polio drops to children up to 5 years as some virus has been found in them. This rumour was spread in response to some reports in sections of media that bivalent Oral Polio Vaccine supplied by a particular company were found "not of standard quality".

Use of bivalent Oral Polio Vaccine manufactured by this particular manufacturer has been stopped in the programme. All the stocks of the said manufacturer have been withdrawn.

There are other bivalent Oral Polio Vaccine manufacturers who have also been providing the polio vaccine. The polio vaccines supplied by these other manufacturers have been tested and conform to all the recommended standards. In order to ensure that children receive safe and effective vaccines, the vaccines from these manufacturers are being used under the programme.

Polio vaccines are absolutely safe and have saved millions of children from disabling effects of polio. All parents must get their children vaccinated against polio to provide protection against polio. Government of India in consultation with WHO has taken all measures to ensure that all vaccines used under the programme are totally safe and effective.

India continues to be polio-free since for past more than 7 years. However, since polio cases are still occurring in a few neighbouring countries, India needs to maintain population immunity against polio to mitigate risk of importation. Government of India is providing Inactivated Polio Vaccine in addition to the bivalent Oral Polio Vaccine under its Universal Immunization Programme to provide double protection against polio.

Health Ministry launches a new Platform to monitor public health surveillance

Ms Preeti Sudan, Union Health Secretary did soft-launch of the Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP) segment of Integrated Health Information Platform (IHIP) in seven states on 26th Nov. The path-breaking initiative will provide near-real-time data to policy makers for detecting outbreaks, reducing the morbidity and mortality and lessening disease burden in the populations and better health systems. The first one-of-its-kind initiative by the Government of India, IHIP uses the latest technologies and digital health initiatives. Success of this platform will depend primarily on the quality of data shared by the states. For effective implementation of the platform, 32,000 people at the block level, 13,000 at the district level and 900 at the state level have been trained. Among those present at the launch were Mr. Lav Aggarwal, Joint Secretary; Mr. Vikas Sheel, Joint Secretary, Dr Sujeet Kumar Singh, Director NCDC; Dr Henk Bekedam, WHO Representative to India; Dr Ramesh Krishnamurthy, Senior Advisor, WHO HQ; Dr Pradeep Khasnobis, Joint Director, IDSP NCDC and senior officials in the Union Health Ministry. Additional Chief Secretaries/Principal Secretaries (Health) and Mission Directors from the seven states (Andhra Pradesh, Himachal Pradesh, Karnataka, Kerala, Odisha, Telangana and Uttar Pradesh) participated in the launch through video-conferencing.

Cabinet approves Allied and Healthcare Council of India and corresponding State Allied and Healthcare Councils

The Union Cabinet chaired by Prime Minister Shri Narendra Modi has approved the establishment of an Allied and Healthcare Council of India and corresponding State Allied and Healthcare Councils which will play the role of standard-setters and facilitators for professions of Allied and Healthcare. A landmark legislation which will provide employment opportunities to millions of youth in the country and will help standardize allied healthcare.

Central and State Allied and Healthcare Councils will include 15 major professional categories including 53 professions in Allied and Healthcare streams. Professional Advisory Bodies under Central and State Councils will examine issues in detail and provide recommendations relating to specific recognized categories. Allied and Healthcare Professionals (A&HPs) constitute an important element of the health human resource network, and skilled and efficient A&HPs can reduce the cost of care and dramatically improve the accessibility to quality driven healthcare services. This legislation will bring all existing allied and healthcare professionals on board within a few years from the date of establishment of the Council.

Health Ministry approves compensation formula for Hip implant cases

MOHFW on 29th Nov. approved formula for determination of compensation for those patients who had received (prior to August, 2010) faulty Articular Surface Replacement (ASR) hip implants manufactured by M/s. DePuy International Limited, U.K (M/S Johnson & Johnson Pvt Ltd). An expert committee was constituted by the Ministry under the Chairmanship of Dr. Arun Kumar Agarwal, Ex-Dean and Professor of ENT, Maulana Azad Medical College, New Delhi to examine the issues relating to faulty ASR Hip Implants. The committee, after detailed examination of the issue, submitted its report along with its final recommendation. The report was accepted by the Central Government. Based on the recommendations, the Government constituted a Central Expert Committee under the Chairmanship of Dr. R.K. Arya, Director, Sports Injury Centre to determine the quantum of compensation. All the State/UTs Government have also been requested by the Ministry to form State Level Committees to examine the effected patients within the respective states and to make the process less arduous for the patients. These committees would send their recommendations to the Central Committee.
All the State/UTs Government had also been requested to make people aware through newspaper advertisements so that they may approach either Central Expert Committee or State Level Committee. Dr. R.K. Arya, Chairman, Central Expert Committee after holding five meetings prepared a formula for determining compensation for the ASR victim patients. This reads as

$$\frac{B \times R \times F}{99.37} + \text{Rs 10 lakh towards non-pecuniary damages.}$$

B is the base amount i.e., Rupees Twenty Lakh (Rs 20,00,000)
R is the Risk Factor-Disability & F is the Age Factor
For example, a 20 year old patient with a disability of 50 per cent and beyond will receive a compensation of Rs 1.23 crore. Similarly, a person who is 65 years and above but has 20 to 30 per cent of disability will receive Rs 30 lakhs.

अगले साल से 15 एम्स में मिलेगा प्रवेश, रजिस्ट्रेशन 30 नवंबर से प्रारंभ

मेडिकल एंट्रेस की तैयारियां कर रहे छात्रों के लिए अच्छी खबर है कि अगले साल से स्टूडेंट्स को 15 एम्स (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) में एडमिशन मिलेगा। एम्स का अधिकृत नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है । इसके मुताबिक 30 नवंबर से तीन जनवरी तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन स्टेट्स 7 जनवरी को अपडेट किया जाएगा । प्रवेश परीक्षा 25 व 16 मई को देशभर में एक साथ होगी।

नीट यूजी : स्टूडेंट्स को मिलेगा 11 भाषाओं का विकल्प, आयुष कॉलेजों में सिर्फ नीट से होंगे प्रवेश

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए होने वाले नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नीट) को लेकर ऑनलाइन सिलेबस जारी कर दिया गया है । इस बार यह परीक्षा सीबीएसई के बजाए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी कराएगी । स्टूडेंट को 11 भाषा में पेपर का विकल्प होगा । पेपर में कुल 180 सवाल पूछे जाएंगे जिनमें फिजिक्स, केमेस्ट्री से 45-45 व बायोलोजो के 90 प्रश्न आएँगे । आयुष मंत्रालय ने आदेश जारी किए हैं कि देश भर में आयुर्वेद, होम्योपेथी, यूनानी व नेचुरोपैथी मेडिकल कॉलेजों में अगले सत्र 2019-20 में नेशनल एलिजिबिलिटी कम एट्रेस (नीट) से प्रवेश होंगे । नीट में आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2018 थी और परीक्षा 5 मई 2019, रविवार को आयोजित होगी ।

नीट : 80% से ज्यादा डिसेबिलिटी तो परीक्षा के पात्र नहीं

नीट में निशक्त केटगरी को लेकर नीट यूजी के डाईरेक्टर की और से ओफिसियल नोट जारी कर स्थिति साफ़ की गई है, मेडिकल काउन्सिल ऑफ़ इंडिया की ओफिसियल वेबसाईट की गाईडलाइन में विभिन्न प्रकार की दिव्यान्गाता की श्रेणिया दी गई है इसमें दिव्यान्गाता के प्रतिशत के आधार पर पात्रता दी गई है । 40% से 80% दिव्यांगता होने पर ही निशक्त श्रेणी में माने जाएंगे छात्र, अत्यधिक डिसेबल छात्रों को एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

मिलती-जुलती दवाओं के नामों पर पाबंदी लगेगी, अब ब्रांड नेम का भी रजिस्ट्रेशन होगा

देश में मिलती-जुलती नाम वाली दवाओं पर अब लगाम कस जाने की तैयारी है। एल्फ्लोक्स एंटीबायोटिक दवा है, जबकी एल्फोक्स मिर्गी की दवा है । लेकिन नाम में मामूली अंतर होंने की वजह से केमिस्ट गलती से मरीजो को गलत दवा दे देता है । दवा बाजार में 10 हजार ऐसी दवाइयां है जिसके नाम काफी मिलते जुलते है । 29 नवम्बर को ड्रग्स टेक्निकल एडवाईजरी बोर्ड की मीटिंग के एजेंडे में इस प्रस्ताव को सामिल किया गया है ।

गैर मेडिकल डिग्री रखने वाले अभ्यर्थी मेडिकल कॉलेजों में नहीं पढ़ा सकेंगे !

मुख्य अख़बारों की खबर बनी कि गैर डिग्री रखने वाले एमएससी अभ्यर्थी मेडिकल कॉलेजों में नहीं पढ़ा सकेंगे । बोर्ड ऑफ़ गवर्नर के इस निर्णय का सबसे बड़ा असर एमएससी मेडिकल करने वाले अभ्यर्थीयो पर पडेगा । लेकिन अभी तक इसका कोई अधिकारिक ऑर्डर नहीं निकाला गया है, आर्डर ना निकलने के कारण इसे अफवाह ही माना जा रहा है ।

दुनिया में लौट रहा है मीजल्स, इसका कारण है शर्मिंदा करने वाला

World Health Organization (WHO) और US Centers for Disease Control and Prevention (CDC) की ताजा रिपोर्ट में यह खतरनाक स्थिति सामने आई है, पिछले वर्ष के मुकाबले दुनिया में इस वर्ष में 30% मीजल्स के केसेज में बढ़ोतरी हुई है जो की अत्यंत चिंता का विषय है । इन केसों के वृद्धि का जो मोटा कारण सामने आया है वो है मीजल्स टीकाकरण पूर्ण नहीं होना, मीजल्स की रोकथाम हेतु 95% वैक्सीन कवरेज आवश्यक होता है जो की पिछले वर्ष में 85% से भी कम रहा और इसकी बदौलत दुनिया में करीब 67 लाख मीजल्स केस मिले जिनमें से एक लाख दस हजार मरीजों को जान गंवानी पड़ी ।
मीजल्स को टीकाकरण से पूर्ण रूप से रोका जा सकता है लेकिन इस से लाखों मौतें होना टीकाकरण कार्यक्रम की नाकामी (Gaps) को दर्शाता है, जगह जगह मीजल्स आउटब्रेक होना गंभीर विषय है, वर्षों की मेहनत और प्रयासों से मीजल्स कंट्रोल में काफी अच्छी स्थिति में पहुँच गए थे, वर्ष 2000 के बाद मीजल्स केसेज और डैथ में 80% की गिरावट आ गयी थी, कुछ देशों ने तो इसे पूर्ण रूप से एलिमिनेट भी कर दिया था लेकिन ऐसी स्थिति में यह रिपोर्ट टीकाकरण पर गंभीर सवाल खड़े करती है, अगर मजबूती से सुधार नहीं किये गए तो इस स्थिति से निपट पाना आसान नहीं होगा ।

21 साल बाद बदलेगा MBBS का सिलेबस, जानें मुख्य बदलाव

21 साल बाद मेडिकल कौंसिल ऑफ़ इंडिया ने निर्धारित किया है की MBBS के सिलेबस को बदला जाए और इसमें कुछ महत्वपूर्ण अंगों का समावेश किया जावे, जैसे की डॉक्टर-मरीज सम्बन्ध, मानसिक स्वास्थ्य, नैतिक शिक्षा आदि । बदले हुए सिलेबस को वर्ष 2019 से लागु किया जाना प्रस्तावित है ।

मुख्य बदलाव –

एथिक्स (नैतिकता) – चिकित्सकीय नैतिकता, जानकारी गुप्त रखना, संवेदनशीलता
कम्युनिकेशन (वार्तालाप) – मरीजों और परिजनों से प्रभावी बातचीत, फसाद से बचना
मेंटल हेल्थ (मानसिक स्वास्थ्य) – तनाव, खीज, अवसाद के प्रभावित लोगों से समन्वय और इनकी पहचान, सलाह
पब्लिक हैल्थ (जन स्वास्थ्य) – ग्रामीण स्वास्थ्य, बचाव एवं सामाजिक स्वास्थ्य, संचारी-असंचारी रोग
ऑर्गन डोनेशन (अंगदान) – जानकारी और जनजागरूकता, भ्रामक जानकारियों की रोकथाम, फायदे
उपरोक्त सभी विषय नए हैं और इनका ज्ञान नए चिकित्सकों को होना अति आवश्यक है ।

रेलवे ने ट्रेन में इलाज के लिये नया आदेश लागु किया

चलती ट्रेन और स्टेशन पर अब इमरजेंसी मेडिकल सेवा के बदले फीस चुकानी होगी। डॉक्टर के लिये 100 रुपये कंसलटेशन फीस तय की गई है। यात्रियों को यह सुविधा पैसेंजर, मैल और एक्सप्रेस सभी ट्रेनो में मिलेगी ट्रेन मे सफर करने वाले यात्री की तबीयत खराब होने पर रेलवे हेल्पलाईन 138, टीटीई और गार्ड को सूचित कर सकेगा। इस पे एंड यूज सुविधा से रेलवे में हो रही फर्जी कॉल्स से मुक्ति मिलेगी।

ब्रिटेन की तरह भारत में भी फेमिली प्रेक्टिश्नर्स होंगे, एमबीबीएस के बाद डिप्लोमा

ग्रामीण क्षेत्रो में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए नई नीति बनाई जा रही है । ब्रिटेन की तर्ज पर भारत में भी एमबीबीएस के बाद फैमेली प्रेक्टिश्नर्स तैयार किए जाएंगे । एमसीआई बोर्ड ऑफ़ गवर्नर के चेयरमैन डॉ. वीके पाल ने कहा की एमबीबीएस की पढाई पुरी करने के बाद दो तरह के विकल्प होंगे पहला पोस्ट ग्रेजुएशन का और दुसरा विकल्प होगा दो वर्ष के डिप्लोमा का । नीति आयोग का कहना है की इस फैसले से एमबीबीएस डॉक्टर की साख बढ़ेगी और देश में इनकी कमी भी दूर होगी ।

कर्नाटक के दुर्लभ बोम्बे ब्लड ग्रुप से बची म्यांमार में महिला की जान

देश में रक्तदान का अनोखा मामला सामने आया है जिसमें यांगून (म्यांमार) के जनरल हॉस्पिटल में 34 वर्षीय महिला कि हार्ट सर्जरी के लिए, बेंगलुरु के देव नगरे ब्लड बैंक ने दुर्लभ बोम्बे ब्लड ग्रुप खून की दो यूनिट कुरियर के जरिए भेजी और महिला कि सर्जरी सफल रही ।

Dr. Dinesh Paul joined NTAGI Secretariat as Advisor cum Manager.

Previously Dr. Paul was attached with various training programs like FTP for GDMOS.

चुरू जिले के तारानगर ब्लॉक की साहवा सीएचसी अपने आप में बेमिसाल है, वर्ष 2017 में स्थापित यह अस्पताल भामाशाह स्व. श्री गुमानी राम जी चाचान (संस्थापक जी आर इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड) के करीब पांच करोड़ रुपये के सहयोग से बनाया गया है इसका नामकरण इनकी पत्नी श्रीमती मोहनी देवी के नाम पर किया गया है, भामाशाह की तरफ से ही चार कर्मचारी और एक सुपरवाइजर रखे हुए हैं ।

इस अस्पताल की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाएं कॉर्पोरेट अस्पतालों को टक्कर देती हैं, यहाँ का मैनेजमेंट उच्च दक्षता वाला है, इसमें डॉ. अखिलेश शर्मा का भी बड़ा योगदान रहा है जो की वर्तमान में तारानगर बीसीएमओ हैं ।

अस्पताल की ओपीडी करीब 250 रहती है, स्टाफ में छह डॉक्टर, एक आयुष चिकित्सक सात मेल नर्स, तीन एएनएम, आयुष नर्स, सीएचओ, एलटी, ओपीडी हेल्पर, दो डाटा ओपरेटर व एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं ।

सुविधाएँ –

खून जांच के लिए दो सीबीसी मशीन ।
एक्सरे मशीन ।
लिफ़ाफ़े में दवा दी जाती हैं, जिस पर संदेश भी लिखे रहते हैं ।
यहाँ भर्ती होने वाली गर्भवती महिला के लिए ड्रेस कोड है जिसमें उसे भर्ती होते ही पिंक कलर का गाउन दिया जाता है, डिलीवरी पश्चात वार्ड में ग्रीन कलर का गाउन दिया जाता है ।
कम्पोस्ट किट उपलब्ध है जिसमें केंचुआ खाद उपजाई जाती है ।
सफाई आधुनिक क्लीनिंग मशीनों से दिन में तीन बार की जाती है, इसके लिए दस सफाई कर्मचारी नियुक्त हैं ।
आयुर्वेदिक औषधि उद्यान बना हुआ है साथ ही पार्क भी है ।
अस्पताल की वेबसाइट www.chcsahawa.com भी है ।

कजाकिस्तान में भरतपुर के मेडिकल छात्र की हत्या, साथी छात्र गिरफ्तार

22 वर्षीय हेमंत कुमार की कजाकिस्तान में उसके ही साथीयो ने गला रेत कर ह्त्या कर दी । हेमंत कजाकिस्तान स्थित कजाक नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी अलमाटी में थर्ड इयर का छात्र था । पिता का आरोप है की उसके ही रूम पार्टनर ने उसकी गला रेत कर ह्त्या की है ।

जयपुर में पहली बार ट्रांस कैथेटर डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट

जयपुर के ईएचसीसी हॉस्पिटल में डॉ. रविंदर सिंह राव और उनकी टीम ने यह रिप्लेसमेंट किया । चिकित्सको ने 64 वर्षीय महिला के ओपन हार्ट सर्जरी कर बिना ट्रांस केथेटर डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट किया है । इनका दावा है की दक्षिण पूर्व एशिया के देशो में ऐसा पहली बार हुआ है ।

तदर्थ नियुक्ति के सेवा काल को वरीयता में शामिल नहीं किया, राज्य सरकार तलब

राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व में पालिसी निर्धारित किए जाने के बावजूद डाक्टरों की तदर्थ नियुक्ति सेवाकाल की वरीयता स्थायी सेवा के साथ नहीं जोड़ने के मामले में राज्य सरकार से छह सप्ताह में तलब किया है ।

कायाकल्प अवार्ड वर्ष 2018-19

स्वच्छ भारत अभियान के साथ कायाकल्प अवार्ड मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ की तरफ यह प्रोत्साहन पुरस्कार प्रारंभ किया गया ताकी अस्पतालों में सफाई, हाइजीन और इन्फेक्शन कंट्रोल अच्छे से किया जा सके, इसमें आंतरिक और बाहरी असेसमेंट करवाके विभिन्न बिन्दुओं के तहत अंक दिए जाते हैं और उनका प्रतिशत निकाल कर सालाना रेंकिंग जारी की जाती है । चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग में कायाकल्प अभियान 2018-19 की संस्थावार राज्य स्तरीय रेंकिंग जारी की गयी है जिसमें प्रथम स्थान पर निम्न संस्थान हैं, इन्हें बधाई -

Inst. Type	Inst. Name/Location	District	OM	PER(%)
PHC	Islampur	Jhunjhunu	354	98.33
UPHC	UPHC CD Devi nagar	Jaipur I	225	93.75
CHC	Sahawa	Churu	596	99.33
SDH	B D M govt satellite hospital	Jaipur I	486	81.00
SAT	Satellite Hospital Shah-pura, Bhilwara	Bhilwara	556	92.67
DH	R K District Hospital Rajsamand	Rajsamand	553	92.17

राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी गर्वनिंग कौंसिल की बैठक संपन्न

एक अक्टूबर को चिकित्सा शिक्षा भवन में राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी गर्वनिंग कौंसिल की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें चल रही गतिविधियों की समीक्षा की गयी, इस सोसायटी से छह मेडिकल कॉलेज संचालित हैं । बैठक में निर्धारित मापदंडों के अनुसार मेडिकल, पैरा-मेडिकल और अन्य संवर्गों के पद भरने, नए मेडिकल कॉलेजों में शेष बचे निर्माण कार्य को निर्धारित समय पर पूर्ण कराने हेतु प्रस्ताव पारित किये गए, साथ ही चिकित्सा शिक्षा प्रमुख शासन सचिव ने इन कॉलेजों की प्रतिष्ठा पर विशेष ध्यान देने की जरुरत बताई । बैठक में चिकित्सा मंत्री, निदेशक चिकित्सा शिक्षा, आरयूएचएस रजिस्ट्रार और सभी नए मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल मौजूद थे ।

बेहतर परिणाम देने वाली एसएनसीयू पुरस्कृत

चिकित्सा मंत्री ने नवजात षिषु स्वास्थ्य इकाइयों में बेहतर परिणाम देने वाले संस्थानों व कार्मिकों की कुल 13 टीमों को पुरस्कृत किया साथ ही एसएनसीयू के बेस्ट 8 डेटा एंट्री ऑपरेटर एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले चिकित्सकों को भी पुरस्कृत किया।

दो दिवसीय कांफ्रेंस में जुटे मातृ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिडला आडिटोरियम में गुरुवार से दो दिवसीय पेरीनटल कांफ्रेंस 'पेरीकान' का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस में देश व प्रदेश के मातृ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ एवं जिलों के चिकित्साधिकारी स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों, नवीनतक तकनीकों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

मिशन निदेशक एनएचएम श्री नवीन जैन ने बताया कि कांफ्रेंस में प्रसव पूर्व देखभाल, पीपीएच प्रबंधन के हुये अपडेट्स, शिशु जन्म के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, कैल्सियम सप्लीमेंट्सन एवं कृमि मुक्त दवा, डायबिटीज प्रबंधन, गर्भावस्था के दौरान हाईपोथायराडिज्म सहित विभिन्न मुद्दों पर विषय विशेषज्ञ प्रजेंटेशन के माध्यम से नवीनतम जानकारियां साझा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा जगत में हो रहे नवाचारों एवं नयी तकनीक के उपयोग पर मंथन कर चिकित्सा सेवाओं में व्यापक रूप से सुधार लाते हुये आमजन तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराना था।

रिपोर्ट माँगी: कलेक्टर ने एक साल में कितने डॉक्टरों को चार्जशीट दी

स्वास्थ्य विभाग ने रिपोर्ट मांगी है कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर कार्यरत डॉक्टरो पर कलेक्टर ने कितनी बार अनुशासनात्मक कार्यवाही की और कार्यवाही के तहत चार्जशीट थमाई गई या नोटिस दिया गया । नौकरी के दौरान सेवारत डॉक्टर पर क्या आरोप लगे, स्वास्थ्य केन्द्र पर कितनी मौजुदगी रही । स्वास्थ्य विभाग दोषी डॉक्टरो की कुंडली तैयार करेगा और भविष्य में कुंडली के आधार पर ही महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी सोंपेंगा ।

रिश्वत मामले के आरोपी सीएमएचओ को पांच साल की कैद

25 हजार की रिश्वत लेने के 15 साल पुराने मामले में न्यायालय ने सोमवार को आरोपी कोटा के तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. गिरीश अग्रवाल और उसके अधीनस्थ कर्मचारी अब्दुल हकीम को पांच-पांच साल की कठोर सजा सुनाई है । साथ ही उन पर दो-दो लाख का जुर्माना किया है ।

एक साल में 7289 सुरक्षित प्रसव करा सीकर का जनाना हॉस्पिटल प्रदेश में नंबर-1

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित लक्ष्य स्कीम में जनाना हॉस्पिटल सीकर का चयन हुआ है और हॉस्पिटल को सीकर में नंबर-1 मिला है । मूल्यांकन में हॉस्पिटल को 83 फीसदी अंक मिले ,एक साल में 7289 सुरक्षित प्रसव करा हॉस्पिटल ने स्कीम ने नेशनल स्तर के किए क्वालीफाई कर लिया है इस प्रदर्शन के बलबूते हॉस्पिटल को प्रसुताओ और नवजात शिशु के इलाज के सम्बंधित सुविधा विस्तार के लिए हर साल तीन लाख रुपए मिलेंगे । ईन बिन्दुओ पर किया था मूल्यांकन - लक्ष्य प्रोग्राम स्टेट वेलिडेशन टीम की और से आठ बिंदुओ पर सर्वे किया इसमे मृत बच्चे पैदा होने की संख्या कम करने ,शिशु मृत्यु दर कम करना , प्रसूता की मौते कम करने , सर्विस प्रोविजन, रोगी के अधिकार, इन्फ्रास्ट्रक्चर इनपुट, निरिक्षण व रख-रखाव, आउटपुट इंडिकेटर, आदि बिंदुओ पर असेसमेंट किया गया । सभी मै जनाना अस्पताल ने बेहतर स्कोरिंग की ।

सर्जिकोन 2018 में देश के 90 सर्जन ने की शिरकत, लाईव सर्जरी दिखाई

सीकर सर्जन्स समिति द्वारा नोबेल केयर हॉस्पिटल में सर्जिकोन 2018 का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में दूरबीन से लाईव सर्जरियाँ दिखाई । सर्जरी की बारीकियां दिखाई। प्रदेश भर के कई सर्जन्स सहित देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 90 से ज्यादा वरिष्ठ सर्जन्स और विषय विशेषज्ञ फैकल्टीज ने भाग लिया । सर्जरी का लाईव प्रसारण किया गया ।

रीढ की हड्डी का ऑपरेशन अब सीकर शहर में भी

सीकर के श्री कल्याण चिकित्सालय मे 45 वर्षीय व्यक्ति का हुआ पहला सफल स्पाइन सर्जिकल ऑपरेशन, डॉ. मनोज बुडानिया, डॉ. शिवपाल कुडी और एनेस्थेटिक डॉ. एन. डी. मिश्रा की टीम ने मिलकर इस सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया और ऑपरेशन के बाद मरीज के पैरों में हलचल शुरु हो गई ।

फागलवा पीएचसी को मिला सम्मान

सीकर जिला मुख्यालय के पास स्थित आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फागलवा को बेहतर स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध करवाने के लिये प्रशस्ति पत्र दिया गया प्रशस्ति पत्र मिलने के बाद चिकित्सा प्रभारी डॉ. विजेन्द्र जांगिड ने समस्त कार्मिकों का आभार व्यक्त किया ।

सीनियर रेजीडेंट पदो हेतू हुए आवेदन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर द्वारा सत्र जनवरी, 2019 के लिए भारतीय नागरिको से विभिन्न विभागो के लिये सीनियर रेजीडेंट पदो हेतू ऑनलाईन आवेदन पत्र मांगे गये, आवेदन करने की तिथि 18 दिसम्बर, 2018 तक थी ।

मोबाईल डेंटल वैन ने किया एक वर्ष पुर्ण

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मोबाईल डेंटल वेन सेवा का एक वर्ष पूरा हो गया है, चिकित्सा एव स्वास्थ्य मंत्री ने गांधी जयंती के दिन ही जयपुर से हरी झंडी दिखाकर सातो संभागो के लिए 7 मोबाईल डेंटल वेन को ग्रामीण ईलाको के लिये रवाना किया था । विगत एक वर्ष मे ही इस सेवा में कुल 811 हैल्थ कैम्प लगाकर प्रदेश के 60 हजार 600 से अधिक दंत रोग से ग्रसित बच्चो को लाभांवित किया गया एव 1 हजार 876 दंत रोग ग्रसितो को उच्च उपचार हेतु रैफर किया गया ।

क्यूँ ना सरकारी अफसरो का ईलाज सरकारी अस्पताल मे अनिवार्य कर दिया जाये - हाईकोर्ट

जोधपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश सन्दीप मेहता व जस्टिस विनीत माथुर की खन्डपीठ मे सरकारी अस्पतालो मे सुविधाओ को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई, सरकारी अस्पतालो मे सुविधाए मुहैया कराने को लेकर कोर्ट ने मौखिक रुप से पूछा, कि फिर तो क्यो न सभी सरकारी अधिकारियो, एमएलए, एमपी आदि के लिये सरकारी अस्पताल मे ईलाज करवाना अनिवार्य कर दिया जाये, दरअसल, हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुये प्रदेश के सरकारी अस्पतालो मे डॉक्टरो के खाली भरने व अन्य सुविधाए जुटाने को कहा था, पर यह कथन मजाक ज्यादा लगता है ।

पहली बार बांसवाड़ा और चुरु मे 1000 पार हुई बेटियो की जन्म दर

सरकार, बेटी बचाओ बेटी पढाओ को लेकर कई अभियान और योजनाये चला रही है, इसके बावजुद प्रदेश के 18 जिलों मे पिछले साल की तुलना मे इस साल बेटियो का जन्म कम हुआ है, यहां बेटियो की जन्म दर 885 है, प्रदेश में सिर्फ आदिवासी इलाके बांसवाड़ा और चुरु जिले में ही बेटो की तुलना मे बेटियो की जन्म दर 1000 से पार है। बांसवाड़ा मे 1000 बेटो पर रिकार्ड 1019 और चुरु मे 1008 बेटिया जन्मी हैं ।

मीटू : कमेटी को दिया था 3 दिन का समय, दो सप्ताह बाद आई रिपोर्ट

एसके अस्पताल सीकर की महिला डॉक्टर ने 30 अक्टूबर को लिखित में, ईसीजी जाँच सिखाने के बहाने ट्रोमा में ड्यूटी के दौरान डॉ. मितेश पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था, पीएमओ ने लैगिंग (विशाखा) कमेटी को इस मामले की जाँच सोंपी | कमेटी ने महिला डॉक्टर और आरोपी के बयान लिए, इस बीच पीडिता ने कमेटी के सामने सबूत भी पेश किए, लेकिन इसके बाद भी कमेटी की जाँच आगे नहीं बढी | इसलिए मामले की सही जाँच को लेकर सवाल भी उठे, अंततः दो सप्ताह बादविशाखा कमेटी ने बंद लिफ़ाफ़े में अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसे राज्य सर्कार को भिजवा दिया गया । नैतिक कारवाई करते हुए अरिसदा सीकर ने डॉ. मितेश को सेवारत डॉक्टरों की एसके हॉस्पिटल इकाई के अध्यक्ष पद से हटा दिया है ।

राजस्थान का शर्मनाक रिकार्ड

जीका वायरस मे नम्बर 1 पर आने के बाद अब राजस्थान डेंगु मे भी शर्मनाक रिकॉर्ड की और बढ रहा है । पिछले साल भी राजस्थान डेंगु प्रभावित राज्यो में दुसरे नम्बर पर था वहीँ इस बार भी राजस्थान मे अब तक 7023 मरीजो के डेंगु की पुष्टि हो चुकी है। चिकित्सा विभाग की माने तो प्रदेश भर में 31 अक्टुबर तक 5947 डेंगु पॉजिटिव केस और 9 मौते बतायी जा रही है। श्री गंगानगर मे अब तक सर्वाधिक 4 मौते हुई हैं ।

डॉ. मोदी बने इंडिया चैप्टर हैड

राजस्थान मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. मोदी को अंतराष्ट्रीय बोर्ड ऑफ मेडिसिन एंड सर्जरी फ्लोरिडा अमरीका की ओर से बोर्ड के इन्डिया चैप्टर के हैड के रूप मे नामित किया गया। IBMS (International Board of Medicine & Surgery) कि कांफ्रेंस MULTICON-2018 नवम्बर के पहले सप्ताह में JJT University झुंझुनू में आयोजित हुई जिसके चीफ गेस्ट IBMS के चेयरमैन, अमेरिका के डॉ. डेविड कैलिन थे और इसमें अरिसदा अध्यक्ष डॉ. अजय चौधरी भी मुख्य अतिथियों में थे ।

जटिल सर्जरी कर बच्ची को दिया नया जीवन

जयपुर की छह वर्षीय बच्ची को मेगा युरेटर नामक दुर्लभ जन्मजात विकृति थी, जो किडनी को प्रभावित कर रही थी, नारायणा हॉस्पिटल किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. मधुसुदन पाटोदिया और वरिष्ठ मूत्र रोग एंव किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. अमित कोटिया की टीम ने जटिल रिकंसट्रक्टिव सर्जरी की | 72 घंटे बाद मरीज को छुट्टी दे दी गई और 2 हप्ते बाद बच्ची स्कुल जा सकेगी ।

बुखार वाले विधार्थियों को एक सप्ताह छुट्टी मिलेगी

जीका वायरस सहित अन्य मौसमी बिमारियों के चपेट में स्कूली बच्चे नहीं आ जाए इसके लिए शिक्षा विभाग ने विशेष आदेश जारी किए है जिसके तहत जिस भी विधार्थी को यदि बुखार आता है तो आने वाले दिन से 7 दिनो तक स्कूल आने से मना किया जाए । यह आदेश शिक्षा निदेशालय बीकानेर से प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी किया गया है ।

बर्न वार्ड में भोपे ने लगाया झाड़ा

बांसवाडा के महात्मा गांधी चिकित्सालय में एक मरीज को अत्याधिक जलन महसूस हो रही थी इस पर उसके परिजन भोपे को लेकर अस्पताल आ गए । भोपे ने बर्न वार्ड में ही अगरबती जला कर पूजा की और मरीज के बदन पर नीम की टहनिया भी फिराई, यह सारा वाकया अस्पताल स्टाफ के आँखों के सामने हुआ लेकिन अधिकतर ने चुप्पी साधे रखी और बने रहे तमाशबीन । एक कर्मचारी ने रोकने का प्रयास किया तो भोपा कुछ देर के लिए पीछे हटा लेकिन उसके जाते ही उसने अपना काम पुनः शुरू कर दिया । अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आगे से ऐसी घटना होने से रोकेंगे

जन आरोग्य योजना (PMJAY) के लिए अलग प्राधिकरण

नीति आयोग ने बहुचर्चित प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की देखरेख के लिए प्रथक राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) के गठन का प्रस्ताव तैयार किया है, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस प्राधिकरण की अध्यक्षता करेंगे । केबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का पीएमजेएवाई पर नाममात्र का ही नियंत्रण रह जाएगा । राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण सीधे ही पीएमओ के अधीन हो जाएगा ।

हाथों हाथ पकड़ी जाएगी मिलावट

खाद्य पदार्थो में मिलावट की जांच के लिए फ़ूड सेफ्टी स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (FSSAI) ने चिकित्सा विभाग को आधुनिक फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स उपलब्ध कराई है । निशुल्क होने वाली जांच के दौरान महज पंद्रह से बीस मिनट में पता चल जाएगा की कितनी मिलावट है । वैन में जांच करवाने वाले उपभोक्ता को फ़ूड स्मार्ट कंजूमर का दर्जा दिया जाएगा ।

डॉ गुप्ता का वर्ल्ड हार्ट फैडरेशन में चयन

जयपुर वर्ल्ड हार्ट फैडरेशन के बोर्ड में जयपुर के डॉ. राजीव गुप्ता का चयन हुआ है फैडरेशन अध्यक्ष प्रो. डेविड वुड के अनुसार संस्था के बोर्ड में वर्ष 2019-20 के लिए डॉ गुप्ता का चयन किया गया है 20-21 मार्च 19 जेनेवा में होने वाली बोर्ड बैठक में भी उन्हें आमंत्रीत किया है । यह संस्था WHO द्वारा प्रायोजित और 180 देशो के कार्डियोलोजी सोसाईटी का प्रतिनिधित्व करती है ।

बीसीएमओ की फोटो हाजिरी पहल

हनुमानगढ़ के भादरा बीसीएमओ डॉ. राजेन्द्र भाँवरिया ने पूरे ब्लॉक (ब्लॉक ऑफिस ?) के लिए आदेश जारी किया है कि रोज सुबह नौ बजते ही पूरे स्टाफ और हाजिरी रजिस्टर की फोटो लेकर इंचार्ज उन्हें भेजें, फोटो में दिख रहे स्टाफ को ही उस दिन उपस्थित माना जायेगा ।

आयुर्वेद अस्पताल की सेवाएँ अस्थाई तौर पर बंद

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से सम्बद्ध सेठ सूरजमल बम्बईवाला आयुर्वेदिक चिकित्सालय, किशनपोल बाजार जयपुर का पुनर्निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के कारण दिनांक 31 दिस. 2018 से ओपीडी, आइपीडी सेवाएँ आगामी आदेश तक स्थगित कर दी गयी हैं, ऐसे में रोगी, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान चिकित्सालय, जोरावर सिंह गेट जयपुर से परामर्श प्राप्त कर चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकते है ।

प्रमुख चिकित्सा सचिव व स्वास्थ्य निदेशक को नोटिस

हाईकोर्ट न्यायाधीश वी. एस. सिराधना ने सेवानिवृत बहुउद्देशीय कार्यकर्ता किशनलाल (MPW) के एक मामले में अदालती आदेश का पालन नहीं होने पर प्रमुख स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य निदेशक व सीएमएचओ करौली को अवमानना नोटिस जारी किया है ।

मरीज दूसरी मंजिल के बाथरूम की खिड़की से गिरा, मौत

उदयपुर के एमबी अस्पताल में भर्ती एक मरीज 62 वर्षीय रतन सिंह पुत्र रूपसिंह दूसरी मंजिल में बाथरूम की खिड़की से नीचे गिर गया, इससे उसकी मौत हो गई । प्रशासन का मानना है की शायद उसे चक्कर आया होगा, लेकिन जानकारों का कहना है कि ऊपर की मंजिल की खिडकियों पर जाली लगी होनी चाहिए ताकि ऐसे हादसे ना हों ।

महिला डॉक्टर का कैनवास पर दिखा क्रिएशन

इन्डियन मेडिकल एसोसियन वुमन डॉक्टर्स विंग जयपुर की 45 महिला डॉक्टर्स का क्रिएशन कैनवास पर नजर आया । एक दिसम्बर से जवाहर कला केंद्र (जेकेके) की पारिजात आर्ट गेलरी में "परिजात" एग्जीविशन की शुरुआत हुई जिसमे जयपुर में प्रेक्टिश कर रही डॉक्टर्स अपनी पेंटिंग्स के साथ मोजूद रही ।

जयपुरिया अस्पताल में शुरु ऑनलाईन पंजीकरण

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जयपुरिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मरीजो को पंजीकरण के लिए कतार में लगाने की आवश्यकता नहीं है । अस्पताल प्रबंधक ने ऑनलाईन पंजीकरण की सुविधा शुरु की है इसके तहत घर बैठे ही पंजीकरण कराया जा सकेगा ।

चिकित्सको को बताना होगा की कितने मरीज देखे

स्वास्थ्य विभाग अब ऐसे डाक्टरों पर नजर रखेगा, जो अस्पताल तो आते है परन्तु मरीज नहीं देखते, इसके लिए विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है जिसमें यह रिपोर्ट मंगवाई जाएगी की किस डॉक्टर ने किस दिन कितने मरीज देखे ।

अरिसदा ने दी नए चिकित्सा मंत्री को बधाई, किया स्वागत

चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा से मिलने सेवारत चिकित्सक संघ का प्रतिनिधिमंडल स्वास्थ्य भवन पहुंचा, जिसमें अरिस्दा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अजय चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ.लक्ष्मण ओला, डॉ.जगदीश मोदी समेत कई सदस्यों ने मंत्री से मुलाकात की और उन्हें गुलदस्ता भेंट किया ।

विधानसभा चुनाव और डॉक्टरों की सियासत

राजस्थान विधानसभा चुनाव में 16 डॉक्टर मैदान में थे इनमे से एक ही डॉक्टर की सियासी सर्जरी सफल रही । खेतड़ी से सिर्फ डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता, लेकिन मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई ।

S.N.	Name	Degree	Party	Constituency
1.	Dr. Karan Singh Yadav	MBBS, MS, Mch	INC	KIshangarh bas
2.	Dr. R. C. Yadav	MBBS, MD	INC	Behror
3.	Dr. S. D. Sharma	MBBS, MS	IND	Malpura
4.	Dr. C. S. Vaid	MBBS, MD	IND	Taranagar
5.	Dr. M. P. Goyal	MBBS, MS	BRSP	Sanganer
6.	Dr. Leela Vyas	MBBS, MS	IND	Sanganer
7.	Dr. Rahul Kaswan	MBBS, DO	IND	Taranagar
8.	Dr. Suresh Bishnoi	MBBS, LLB	RLP	Kolayat
9.	Dr. Shailesh Singh	MBBS	BJP	Deeg Kumher
10.	Dr. Jitendra Singh	MBBS	INC	Khetri
11.	Dr. Vishvanath	MBBS	BJP	Khajuwala
12.	Dr. Anita	BDS	IND	Khinwsar
13.	Dr. Vivek Machra	BDS	RLP	Bikaner
14.	Dr. Ram Hari	BHMS	BSP	Marwar Jn.
15.	Dr. Mahesh Kumar	BNYS	LJP	Chomu
16.	Dr. Mahesh Kumbhaj	N. D.	IND	Kishangarh

एनपीएस में सरकारी अंशदान 10% से बढ़कर 14% होगा

केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारीयों को बड़ा तोहफा देते हुए नेशनल पेंशन स्कीम में सरकारी अंशदान 10% से बढ़ाकर 14% कर दिया है यह फैसला केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में हुआ। कर्मचारियों से तो कटौती 10% ही की जाएगी, बस सरकारी अंशदान बढ़ा है । वैसे सरकारी कार्मिकों कि मांग है की उन्हें नेशनल पेंशन स्कीम के बजाय पुरानी पेंशन स्कीम ही दी जावे ।

स्वच्छता बनाने के लिए डेढ़ माह में 1.62 लाख का जुर्माना वसूला

जोधपुर संभाग के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखने के लिए गन्दगी फैलाने वालो के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है, जिसमें 1 नवम्बर से शुरू किए गए स्वच्छता अभियान के तहत अब तक कुल 1439 लोगो पर जुर्माना करते हुए 1 लाख 62 हजार की राशी वसूल की है। अन्य अस्पतालों ने भी इस से प्रेरित होकर वसूली शुरू कर दी है जिससे उनके एमआरएस में आय बढ़ेगी ।

धौलपुर सीएमएचओ को लोकायुक्त ने किया तलब

लोकायुक्त न्यायमुर्ती एस.एस.कोठारी ने नसबंदी शिविर में गंभीर लापरवाही बरतने के मामले को लेकर प्रसंज्ञान लेकर धौलपुर के मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी को तलब किया है । बसेड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में नसबंदी के लिए आई महिलाओं की नसबंदी करके उन्हें सीधे ही जमीन पर गंदे फर्श ही लिटा दिया गया । लोकायुक्त कोठारी ने प्रथम दृष्ट्या संबंधित लोकसेवकों की कर्तव्यहीनता और उदासीनता मानकर इसे गंभीरता से लेते हुए मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है और धौलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से 29 जनवरी 2019 तक तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है । अन्य चिकित्सकों में भी इस घटना से प्रेरणा लेते हुए सुधार की कवायद शुरू कर दी है ।

गुढ़ामालानी स्वास्थ्य केंद्र का पीपीपी एमओयु बना रहेगा

राजस्थान हाईकोर्ट में बाड़मेर जिले के सीएचसी संचालन के सम्बन्ध में ब्रीजो केयर प्राईवेट केयर प्राईवेट लिमिटेड के साथ किए गए एमओयू को निरस्त करने के चिकित्सा विभाग के निदेशक के आदेश को अपास्त कर दिया है । संस्थान के साथ 2015 में किए गए एमओयू को रि-स्टोर कर दिया है ।

महावीर कैंसर हॉस्पिटल की लोंड्री का स्टीम फटा

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंव रिसर्च सेंटर में लापरवाही के लीकेज से केंसर से पीड़ित सैकड़ो मरीजो की साँसे ऊपर निचे कर दी। अस्पताल के बेसमेंट में कपडे धोने सुखाने के लिए लोंड्री होल का स्टीम पाईप फटने से गैस लीकेज हुआ और पुरे अस्पताल परिसर को धुंए की जड़ में ले लिया । पाईप फटने की तेज आवाज व धुंए से मरिजो के परिजन भी अस्पताल से बाहर आ गए, सुचना मिलने पर दमकल व पुलिस भी मौके पर पंहुची । हादसे के समय अस्पताल में क्रिसमस दिवस पर केंसर पीड़ित बच्चो के लिए कार्यक्रम चल रहा था जिसमे मुख्यमंत्री गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत भी मौजूद थी । मामले की मुख्यमंत्री गहलोत ने जानकारी ली ।

डॉक्टर शाहब अब जींस-टीशर्ट में मिले तो कारवाई

डॉक्टर अगर जींस पेंट एंव टी-शर्ट में हॉस्पिटल में काम करते मिले तो फिर कारवाही होगी इसके साथ ही अन्य नर्सिंगकर्मियो को भी ड्रेस कोड में ही हॉस्पिटल आना पडेगा । इस सम्बन्ध में एनएचएम की और से सीएमएचओ एंव ब्लॉक सीएमएचओ को अस्पताल की जांच कर इसकी पालना कराने के साथ ही कार्यवाही करने के निर्देश मिले है एवं निदेशालय की और से स्पष्ठ कह दिया है की उनकी और से औचक निरिक्षण के दौरान एसे हालात मिले तो इसकी जिम्मेदारी सम्बंधित सीएमएचओ एंव ब्लॉक सीएमएचओ की होगी ।

प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में हाजिरी होगी बायोमेट्रिक

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. समित शर्मा ने कार्यभार सम्हालते ही जिस बिंदु को प्राथमिकता से लिया है, वो है समय पर चिकित्सा संस्थानों पर स्टाफ की उपस्थिति, इसे हेतु उन्होंने नवाचार करते हुए सर्वप्रथम खुद के ऑफिस के कर्मचारीयों अधिकारीयों को समय पर उपस्थिति देने हेतु निर्देशित किया तथा नववर्ष से सम्पूर्ण प्रदेश के संस्थानों में हाजिरी बायोमेट्रिक के किया जाना सुनिश्चित करने के लिए जिला अधिकारीयों को निर्देशित किया है, डॉ. शर्मा स्वयं भी बायोमेट्रिक उपस्थिति ही दर्ज करेंगे ।

पारदर्शी हुआ चिकित्सा विभाग

मिशन निदेशक एनएचएम एवं विशिष्ठ सचिव, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण सेवाएँ, डॉ. समित शर्मा ने नवाचार करते हुए एनएचएम विंग स्थित अपने कक्ष में लकड़ी का मोटा दरवाजा हटवाकर कांच का दरवाजा लगवाया है, जिससे पारदर्शिता बनी रहे ।

एम्स जोधपुर में प्रसुताओं को लाभ नहीं

एम्स जोधपुर में इस साल 1302 प्रसव हुए लेकिन राज्य सरकार के योजना का लाभ किसी को नहीं मिला, जबकि प्रदेश के अन्य सभी सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रसव कराने पर महिलाओ को सरकार की और से धनराशि दी जाती है लेकिन एम्स में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जिस पर सरकार के अधिकारियो का कहना है की विभाग की और से कई बार एम्स में पत्राचार किया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

अरिसदा प्रदेशाध्यक्ष को मिला नोटिस

सीकर सीएमएचओ एवं सेवारत चिकित्सक संघ के अध्यक्ष डॉ. अजय चौधरी को रिटर्निंग ऑफिसर (एस.डी.एम.) सीकर (35) ने नोटिस जारी कर चौबीस घंटे में लिखित प्रत्युतर माँगा । डॉ. चौधरी पर आरोप है की उन्होंने सरकारी पद पर रहते हुए विधानसभा आम चुनाव के प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाई है और अधीनस्थ कर्मचारियों को कांग्रेस पार्टी के पक्ष में प्रचार करने हेतु धमकाया । हालांकि डॉ. चौधरी रतनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बनने हेतु प्रयासरत थे लेकिन उन्होंने इन आरोपों को नकारा है ।

क्वालिटी एश्योरेंस एवं कायाकल्प कार्यक्रम पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित क्वालिटी एश्योरेंस एवं कायाकल्प कार्यक्रम के संबंध में राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य प्रबंधकों ने हिस्सा लिया । मिशन निदेशक डॉ. समित शर्मा ने क्वालिटी एश्योरेंस एवं कायाकल्प कार्यक्रम के निर्धारित मापदण्डों के अनुसार कार्ययोजना बनाकर निःशुल्क दवाओं, जांच सेवाओं की उपलब्धता, उपकरणों की कार्यशीलता सहित विभिन्न सभी मापदण्डों पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। संयुक्त निदेशक एवं एसएनओ क्वालिटी डॉ. रामबाबू जायसवाल ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में स्वास्थ्य प्रबंधकों को इन्टरनल असेसमेंट एंड टाईम बाउंड एक्शन प्लान, की परफोरमेंस आफ इन्डीकेटर, हास्पिटल इन्फेक्शन कन्ट्रोल प्रोग्राम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गयी ।

480 टीमों ने किया चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण

प्रदेश में सुचारू, गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध तथा सभी मापदंडों के अनुरुप स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 22 दिसंबर को सम्पूर्ण प्रदेश में 480 राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीमों द्वारा निरीक्षण किया गया जिसका मूल उद्देश्य खामियों को पकड़ उन पर सुधारात्मक कारवाई करना था ना कि दंडात्मक, लेकिन इसके बाद के समस्त निरीक्षणों में अनुपस्थित मिलने वालों व गंभीर खामियों पर नियमानुसार कारवाई की जायेगी । निरीक्षण में कार्मिकों की निर्धारित युनिफोर्म में उपस्थिति, साफ़-सफाई, निशुल्क दवा एवं जांच की उपलब्धता और सभी कार्यक्रमों की प्रगति जाँची गयी । मिशन निदेशक डॉ. समित शर्मा ने स्वयं सात संस्थानों का निरीक्षण कर मौके पर ही सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा बाद में राज्य स्तरीय, विडियो कॉन्फ्रेंस में भी इनका दोहराव किया ।

चिकित्सा मंत्री ने ली निदेशालय में पहली बैठक

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा तथा चिकित्सा व स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा मंत्री के रूप में अधिकारियों की पहली बैठक 27 दिसंबर को ली, जिसमें प्रमुख स्वास्थ्य सचिव श्री रोहित कुमार सिंह, शासन सचिव आयुर्वेद श्री अश्वनी भगत, शासन सचिव मेडिकल एजुकेशन श्री हेमंत गेरा, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ समित शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर आरएमएससीएल श्री सुरेश गुप्ता, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ वीके माथुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे ।

एसीएस वीनू गुप्ता, एमडी एनएचएम नवीन जैन को विदाई

स्वास्थ्य भवन में बुधवार की सायं अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती वीनू गुप्ता, स्वास्थ्य सचिव एवं मिशन निदेशक श्री नवीन जैन, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम एवं निदेशक आईईइसी श्री राजन विशाल एवं राजस्थान मेडिकल सर्विसेस कारपोरेषन के प्रबंध निदेशक श्री अनिल गुप्ता को उनके स्थानान्तरण उपरांत विदाई दी गयी । नये प्रमुख शासन सचिव स्वास्थ्य श्री रोहित कुमार सिंह, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. समित शर्मा एवं आरएमएससीएल के एमडी श्री सुरेश गुप्ता के कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत स्वास्थ्य भवन में उनका स्वागत किया गया।

डॉ.एस.एस. राणावत को मेडिकल काउंसलिंग के रजिस्ट्रार का अति. कार्यभार सौंपा

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर एसएमएस अस्पताल में उप अधीक्षक के पद पर कार्यरत डॉ. सुनीत सिंह राणावत को राजस्थान मेडिकल काउंसलिंग जयपुर के रजिस्ट्रार का अति. कार्यभार सौंपा है । चिकित्सा एंव स्वा. विभाग के शासन उप सचिव पारस चन्द जैन के अनुसार उप अधीक्षक के साथ साथ रजिस्ट्रार का अति. कार्यभार आगामी आदेश तक संपादित करेंगे ।

साल की अंतिम शाम हुई दिव्यांगों के नाम

जयपुर असोसिएशन ऑफ़ रेजिडेंट डॉक्टर्स की तरफ से नववर्ष की पूर्व संध्या पर मानसिक विमंदित गृह, जामडोली में दिव्यांगों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन किया गया जो की एक अनुकरणीय पहल है, जार्ड के डॉ. रमेश देवासी ने बताया कि लोग नये साल पर मौज मस्ती करते हैं तो ऐसी स्थिति में कुछ अच्छा कार्य करके साल की शुरुआत की ठानी और यह कार्यक्रम बनाया जो की सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । भोज में जार्ड के डॉ. रवि जाखड़ ने बच्चों को भोजन परोसा ।

चौधरी और मुदगल बने रेजिडेंट असोसिएशन के अध्यक्ष

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा के अध्यक्ष डॉ. अशोक चौधरी एवं रविन्द्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. चंद्र प्रकाश मुदगल चुने गए हैं, इन दोनों का कई छात्र आंदोलनों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है तथा डॉ. चौधरी अपने दिलकश मंच संचालन के लिए जाने जाते हैं ।

मेडिकल कॉलेजो में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

प्रदेश के जयपुर समेत अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा एंव झालावाड मेडिकल कॉलेजो में मरीज और विधार्थी अब कॉलेज सर्किट टीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे। इनकी रिकोर्डिंग की लाइव मोनिटरिंग दिल्ली सेहोंगी । मेडिकल काउंसलिंग ऑफ़ इंडिया की बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के महासचिव डॉ अजय श्रीवास्तव की और से दिसंबर में जारी आदेशानुसार एक कॉलेज परिसर में क्लासरूम, पैथोलोजी लेब एंव काउंटर डोर में कैमरे लगेंगे । रेजिडेंट यूनियन का कहना है कि सम्पूर्ण अस्पताल परिसर में भी कैमरे लगने चाहिए ।

रेजिडेंट डॉक्टरों ने परिजन को धुना, समझौता

अजमेर मेडिकल कॉलेज में इमरजेंसी में एक सामान्य मरीज आया तो ड्यूटी डॉक्टर ने उसे ओपीडी में दिखाने को कहा क्यूंकि वे इमरजेंसी मरीज देखने में व्यस्त थे, मरीज के परिजन द्वारा बार बार टोके जाने पर बहस हुई जो कि मारपीट पर जाकर रुकी, इसी बीच एक चैनल रिपोर्टर वाकये को रिकॉर्ड कर रहा था, उस से भी रेजिडेंट डॉ. देवी प्रसाद और डॉ. तुषार ने मारपीट कर डाली, वैसे डॉ. देवी प्रसाद अपने तेज तर्रार रवैये के लिए जाने जाते हैं । घटना के बाद और भी पत्रकार आ गए और हंगामा करने लगे तो प्रिंसिपल डॉ. अनिल जैन ने आकर रेजिडेंटो से माफ़ी मंगवाकर मामला शांत करवाया ।

डॉ. अनुराग दैमन ने जीता सेंकड प्राइज

झालावाड मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष रेजिडेंट डॉ. अनुराग दैमन ने इंदौर में MP Pathcon में इ-पोस्टर प्रेजेंटेशन में सेकंड प्राइज जीता है । इन्होने यूट्रस के ट्यूमर पर पोस्टर बनाया था ।

MISHAL NOV. 2018
RANK 1 - SIKAR

आज मेरे पास पैसा है, बंगला है,
गाड़ी है, नौकर है, बैंक बेलेंस है,
और तुम्हारे पास क्या है ?
मैं जिस घर में रहता हूँ
वो मकान वाले कभी भी
कूलर व पानी की टंकी की
सफाई नहीं करते और
उनके घर के आस पास
गन्दा पानी भरा रहता है !
माफ़ करो भाई,
तुम तो स्वर्ग में हो !
आलस छोड़ो, उठो जागो !
DR. JITENDRA BAGRIA
SARKARIDOCTOR.COM

"गैंग्स ऑफ़ कूलर"
निर्माता निर्देशक : मच्छर सिंह जीकावाला
मलेरिया का..
डेंगू का..
जीका का..
चिकनगुनिया का..
सबका बदला लेगा रे तेरा जयपुर !!
जयपुर के सबसे बड़े दुश्मन कूलरों, पानी की टंकियों,
परिंडों, गमलों और ठहरे हुए पानी में छुपे बैठे हैं !!
आपको भी लगता होगा की यह मच्छर गैंग आपके घर
में थोड़े ही पनप रही होगी, पर जब आप इनके अड्डों पर
धावा बोलेंगे तो पायेंगे मच्छरों की बड़ी बड़ी बस्तियां !
बहुत हुआ मच्छरों का वार.. अब होगा पलटवार
- एक भी मच्छर बचने ना पाए -
सबका बदला लेगा रे तेरा जयपुर
@ Dr. Jitendra Bagria
@ SarkariDoctor

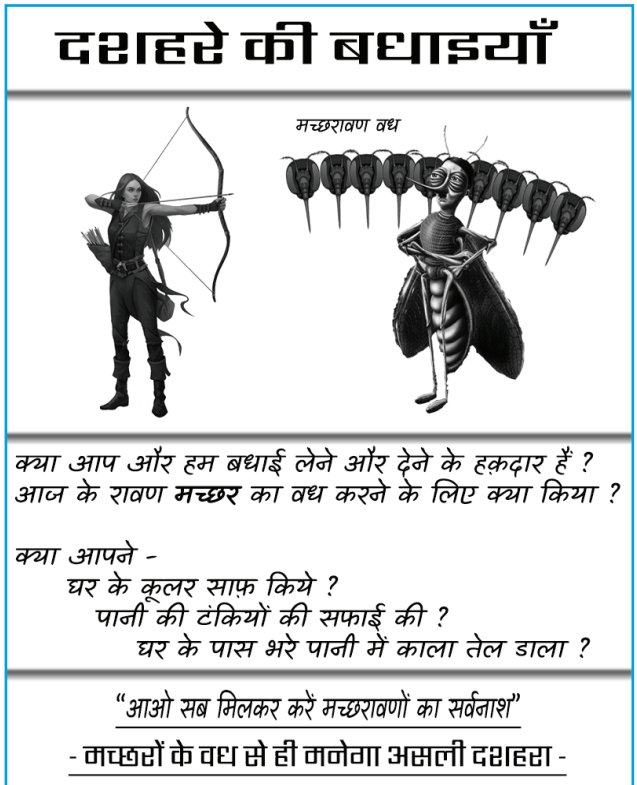
दशहरे की बधाइयाँ
मच्छरावण वध
क्या आप और हम बधाई लेने और देने के हक़दार हैं ?
आज के रावण मच्छर का वध करने के लिए क्या किया ?
क्या आपने -
घर के कूलर साफ़ किये ?
पानी की टंकियों की सफाई की ?
घर के पास भरे पानी में काला तेल डाला ?
"आओ सब मिलकर करें मच्छरावणों का सर्वनाश"
- मच्छरों के वध से ही मनेगा असली दशहरा -
DR. JITENDRA BAGRIA
SARKARIDOCTOR.COM

जीका से बचना है तो खोलिए ढक्कन
यह ढक्कन नहीं खोलना है
तो फिर कौनसा ढक्कन खोलना है ?
मच्छरों के खात्मे के लिए खोलने हैं ये तीन ढक्कन
KEROSENE
जीका, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी बिमारियों के जनक हैं मच्छर, और मच्छर छिपे हुए हैं
कूलरों, पानी की टंकियों में अत: इनके ढक्कन खोलते हुए तुरंत इनकी सफाई कर ही डालें |
आपके घर के पास पानी ठहरा हुआ है तो उसमें ढक्कन खोलते हुए काला तेल या केरोसीन डालें |
हैं ना कमाल के ढक्कन
DR. JITENDRA BAGRIA
SARKARIDOCTOR.COM

जयपुर में जीका के मरीजों का शतक, मच्छर मना रहे जश्न
तो कैसे दिया जाए इन्हें करारा जवाब ?
• पीने के पानी की टंकियों में "टेमीफोस" नामक दवा डालें |
• घर के पौधों और गमलों का नियमित रूप से पानी बदलें |
• सप्ताह में एक बार कूलर को अवश्य साफ़ करें और सुखाएं |
• ठहरे हुए साफ़/गंदे पानी में केरोसीन अथवा काला तेल डालें |
• मच्छर रोधी क्रीम और आल-आउट (रिपेलेंट) का प्रयोग करें |
• पानी की टंकियों की सफाई करें और ढक्कन कस के बंद करें |
• बुखार आने पर तुरंत चिकित्सक को दिखावें और जांच करावें |
मच्छरों को मामूली मच्छर ना समझें |
ये पड़ सकते हैं आपकी जान पर भारी |
* आलस छोड़ो, उठो जागो *
DR. JITENDRA BAGRIA
SARKARIDOCTOR.COM

पे-मैनेजर पर मोबाईल वैरिफिकेशन कैसे करें ?

STEPS TO FOLLOW -
www.paymanager2.raj.nic.in पर जाकर करके अपनी employee id और password डालकर login करें ।
सबसे ऊपर बांयी ओर employee corner पर क्लिक करें ।
उसके पश्चात सबसे आखिरी ऑप्शन employee detail verify पर क्लिक करें ।
अब आपको आपका gpf number,mail id, mobile number ,PAN , Aadhaar number दिखाई देंगे ।
फिर नंबर अपडेट करें और Generate OTP कर लें, मोबाइल पर आये OTP को डालकर Submit करें ।
आपको वैरिफिकेशन successful का मैसेज आयेगा और वैरिफिकेशन पूरा हो जायेगा।
2004 के बाद वाले कार्मिक GPF नम्बर के स्थान पर जीरो लिख दें (0) ।

विस्तृत खबर के लिए यहाँ क्लिक करें »

When you are partying and patient calls in between.

राजकीय पत्र व्यव्हार करते समय रखें इन बातों का ध्यान

राजकीय पत्र व्यव्हार के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इसके लिए राजस्थान के प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग (अनुभाग-1) ने दिशा निर्देश जारी किये हैं, जिसके अनुसार समस्त अधिकारीगण से यह अपेक्षा की जाती है की राजकीय पत्र व्यवहार करते समय पत्र पर अपने हस्ताक्षर के नीचे तिथि, अधिकारी का नाम, पदनाम अंकित करने के साथ साथ पत्र के आधार (Bottom) पर पत्र जारी किये जाने वाले कार्यालय का पता, दूरभाष नम्बर, फैक्स नम्बर, विभागीय वेबसाइट तथा अधिकारी कार्यालय की ई-मेल आईडी अंकित की जावे, जिससे शासन तंत्र में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके ।

विस्तृत खबर के लिए यहाँ क्लिक करें »

पुलिस तहरीर : अहम् जानकारी

कोई भी चोट प्रतिवेदन रिपोर्ट बनाने के लिए संबंधित पुलिस थाने से तहरीर लेने से कुछ जरूरी पर बहुत ख़ास बातो का ध्यान जरूर रखना चाहिए
1) कार्यालय का नाम, मोहर एवमं साईन
2) डिस्पेच नंबर
3) मजरुब का पूरा नाम, पिता का नाम, उम्र, धर्म एवम पूर्ण पता
4) मजरुब की चोटो का पूर्ण विवरण (अगर सही से न लिखा हो तो साथ आये पुलिसकर्मी को बोले कि सभी चोटे अंकित करे)
सितंबर 2018 के हाल ही के मामले में न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बूंदी ने एक ऐसे ही मामले में मेडिकल ज्यूरिस्ट महोदय को धारा 193 भा. द. स. अन्तर्गत नोटिस थमाया गया है, जिसके अनुसार आपने दुरभि संधि करते हुए प्रार्थी को अधिकाधिक क्लेम लाभ दिलाने के उद्देष्य से 76 की जगह 55 उम्र लिख कर दी । जबकि 2014 के इस मामले के समय पुलिस तहरीर ने उक्त में स्पष्ठ रुप से उम्र 55 साल लिख रखी थी ।

HAPPY NEW YEAR

Scan me

GOT NEWS? GOT TIPS? GOT PHOTOS?

Tell us what's happening. Remember to tell Who, What, When, Where. You can send us an article, news, information or photos if you like.

Email your stories and comments to sarkaridoctor@gmail.com
We will read all of your emails.
Email your pictures, video or audio to us.
In some cases your images or audio may be used in our Newsletter.

If we use your material online we will not publish your name as you provide it (if you want to publish than we may do so) but we will never publish your email address.

POINT AND SHARE

Now, open Booster Dose Newsletter on your Smart-phone instantly. Point your phone's scanner on the code and align it in the frame. You will be guided instantly to our website, www.sarkaridoctor.com This is useful to share our stories on social media or email them.

SARKARIDOCTOR.COM

Head Office
112A, Nirman Nagar, Jaipur – 302019
e-mail: sarkaridoctor@gmail.com
Printed and published by Sarkari Doctor.

Published for month of October to December, 2018
Release on Jan 15, 2019
Total no. of pages 20, Including Covers